सं ब्रो वि व /एफ डी/123-87/38733.—चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं व लक्ष्मी इन्टरप्राईजिज, 5/136, नेश्नहट 5 एन ब्राई वि टीव, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री रमेश कुमार, मार्फत एटक ग्राफिस, मार्किट नंव 1, एन श्राई विवाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीधोगिक विवाद है;

ग्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हैतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रिविनयम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राष्यपाल इस के द्वारा उक्त श्रिधिनयम की घारा 7-क के श्रधीन गठित श्रीद्योगिक श्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिद्धित मामलें जो कि उक्त प्रबन्धक तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं श्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हें तु निद्धित करते हैं :—

क्याश्री रमेण कुमार की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं० ग्रो० वि०/एफ डी/112-87/38740--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० इलैक्ट्रोनिक्स लि०, एन० ग्राई० टी०, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री फकीर चन्द भाटिया, पुत श्री उत्तम चन्द, मकान नं० 1-डी/118, एन० ग्राई० टी०, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायानिर्णय हैतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अव, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई गिवितयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गटित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदावाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादप्रस्त मामला/ मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं व्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री फकीर चन्द भाटिया की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० श्रो० वि०/एफ डी/109-87/38747.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० इलैक्ट्रौनिकस लि०, एन० श्राई० टी०, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री गुलशन कृमार, पुत्र श्री रोशन लाल श्रहुजा, मकान नं० 7, जनता पलैट एन० एस० नं० 2, एस० श्राई० टी०, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

श्रीर चंकि हरियाणा के राष्ट्रपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7क के श्रिधीन गठित श्रीद्योगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदादाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रिमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला मामले हैं श्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री गुलशन कुमार की सेवाभ्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो यह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो० वि०/एफ डी/203-87/38754--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० श्रहुजा इण्डस्ट्रीज, 12/6, गुरुकुल रोड़, फरीद:बाद, के श्रमिक श्री झब्व लाल, पुद्ध श्री सिरताज मार्फत हिन्द मजदूर सभा, 29, शहीद चौक, फरीदाबाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

अरेर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, भव, भौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई मिन्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामला हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री झब्बू लाल की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. ग्रो वि०/एफ बी०/199-87/38761.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० स्टानकों इन्टरप्राईजिज प्रा लि कि , 15/2, मचुरा, रोड़, फरीदाबाद के श्रमिक श्री परशु राम शर्मा, मार्फेस शिवपूरी कालोनी, मां नं विश्व रोड़, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के संबंध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, श्रव, श्रीद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हेरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7क के श्रिधीन गठित श्रीद्योगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रिमिक के वीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं श्रथवा विवाद से सुसंगत या स्वधित मामला/मामले हैं न्यायिनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री परशु राम की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का इकदार है?

सं. ग्रो. वि./गृहगांव/232-87/38768.—चू कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० एन फिल्को लि०, गृहगांव मार्फत पुरोलेटर ग्राई. ही. सी., गृहगांव, के श्रमिक श्रीमती प्रकाश देवी, स्नेह प्रभा, शशी गृप्ता तथा सुनीता गृप्ता मार्फत पुरोलेटर इण्डिया लि० कर्मचारी, संघ, ग्राम सुखराली, मेहरोली, रोड, गृहगांव तथा प्रवन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है:

श्रीर चंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसिलये, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7क के ग्रधीन गठित श्रौद्योगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं श्रथवा विवाद से मुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्रीमती प्रकाश देवी, स्नेह प्रभा, शशी गुप्ता तथा सुनीता गुप्ता की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत की हकदार हैं ?

सं. ग्रो.वि./यमुना/53-87/38778--चूकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि में. (1) सचिव, हरियाणा राज्य विजली बोर्ड, चण्डीगढ़, (2) कार्यकारी ग्रभियन्ता, हरियाणा राज्य विजली बोर्ड, जगाधरी के श्रमिक श्री राजकुमार पुत्र, श्री ज्ञान सिंह, गांव व डा० जफरपुर, जिला ग्रम्बाला तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई भौदोगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपद्वारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई गिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 3(44)84—3-श्रम, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1984 द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्वाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री राजकुमार की सेवाओं का समापन/छंटनी न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?